

प्रेषक,

आनन्द वर्द्धन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

उप निदेशक,
राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड,
रूड़की-हरिद्वार।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 26 मार्च, 2007

विषय: राजकीय मुद्रणालय रूड़की के औद्योगिक परिसर में पेपर रद्दी कागज के रख रखाव हेतु हैंगर हंप यार्ड के निर्माण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 965/बजट/05 दिनांक: 16.3.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु राजकीय मुद्रणालय रूड़की के आयोजनागत पक्ष के 04-राजकीय मुद्रणालय के भवनों का निर्माण/जीर्णोद्धार, 24-वृहत् निर्माण कार्य योजनान्तर्गत राजकीय मुद्रणालय रूड़की के औद्योगिक परिसर में पेपर रद्दी कागज के रख रखाव हेतु हैंगर हंप यार्ड के निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि रु0 47.35 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या 284/VII-1/15 रा0मु0/04 दिनांक 01.3.2007 द्वारा प्रथम किस्त के रूप में आपके निवर्तन पर रखी गयी रु0 12,89,000/- की धनराशि के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2006-07 में द्वितीय किस्त के रूप में रु0 17,56,000/- (रुपये सतरह लाख छःप्पन हजार मात्र) व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का एकमुस्त आहरण कर सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी और इस धनराशि का शीघ्रातिशीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जायेगा ताकि हैंगर हम्पयार्ड भवन शीघ्रातिशीघ्र पूर्ण हो सके। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आदंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट मैनुअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास संबंधित परिव्यय के अनुरूप ही किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश 284/VII-1/15 रा0मु0/04 दिनांक 01.3.2007 में इंगित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

4- वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को

उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक: 31.03.2007 तक शासन का समर्पित किया जायेगा। व्यय उन्हीं योजना/कार्यों पर किया जाय जिन कार्यों हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है। स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी किस्त अवमुक्त की जायेगी।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-23, मुख्य लेखाशीर्षक 4058-लेखन सामग्री तथा मुद्रण पर पूंजीगत परिव्यय, 00-आयोजनागत, 103-सरकारी मुद्रणालय, 04-राजकीय मुद्रणालय के भवनों का निर्माण/जीर्णोद्धार-00, 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 2313/XXVII(2)/2007 दिनांक 22 मार्च, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1413(1)/VII-1/15 रा0मु0/04, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, रुड़की-हरिद्वार।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय उत्तराखण्ड, रुड़की-हरिद्वार।
- ✓ 8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2
10. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।